कठिन डगर का सुहाना सफर

मेट्रो-3

(कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज)

₹23,136 करोड़ लागत

33.5 किलोमीटर

27 स्टेशन

11 से 37 रुपये

तक होगा किराया

14 लाख लोग करेंगे सफर

2,43,390 लीटर

फ्यूल की होगी बचत

रिपोर्टर, मुंबई

दक्षिण मुंबई के संकरे इलाकों से होकर गुजरने वाली मुंबई मेट्रो-3 का चुनौतीपूर्ण काम पूरा होने के बाद यह मुंबईकरों के लिए वरदान साबित होगी। एक अनुमान के मुताबिक, मेट्रो-3 शुरू होने के बाद इस रूट पर ट्रैफिक में 35 पर्सेंट तक कमी आ सकती है। इससे फ्यूल की खपत में रोज करीब 2.50 लाख लीटर की कमी होगी। इससे न केवल वायु प्रदूषण से राहत मिलेगी, बल्कि इकॉनमी पर पड़ने वाला बोझ भी कम होगा। इससे लोकल ट्रेन की ट्रैफिक की समस्या भी काफी हद तक दूर होगी। 2020 में इससे 14 लाख लोगों के सफर करने का अनुमान है। मेट्रो का किराया भी 2020 के लिए अनुमानित तौर पर 11 से 37 रुपये रखा गया है।

2020 तक होगी शुरू

मुंबई मेट्रो-3 के 2020 तक शुरू होने की उम्मीद है। इससे नरीमन पॉइंट, कफ परेड, फोर्ट, वर्ली-लोअर परेल, बीकेसी और सीप्ज-एमआईडीसी जैसे 6 बिजनेस सेंटरों की कनेक्टिविटी सुधरने की उम्मीद है। यह मेट्रो मुंबई की जान समझी जाने वाली लोकल के साथ 5 जगहों पर जुड़ेगी। कार से कफ परेड से एयरपोर्ट तक की दूरी 100 मिनट में तय होती है, मगर मेट्रो-3 में इससे आधा समय लगेगा।

चुनौतियां होंगी दूर

- मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन कर रही है 27 से ज्यादा एजेंसियों के साथ तालमेल
- हेरिटेज और वेस्टर्न रेलवे समेत कई परमिशन मिल रही हैं
- कालबादेवी, गिरगांव समेत अन्य जगहों पर स्टेशन की राह में आ रही बिल्डिंगों के लोगों के सही तरीके से पुनर्वास करने की तैयारी
- यहां की बिल्डिंगों का कलस्टर रीडिवेलपमेंट होगा
- इसके लिए म्हाडा से चल रही है बात

कोई भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट बनाते समय हमेशा किराए के फैक्टर को एक सीमा में रखने की कोशिश होती है, ताकि लोग इसका ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर सकें। मेट्रो-3 में भी ऐसा ही किया जाएगा।

अश्विनी भिडे, एमडी, मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन

पूरी अंडरग्राउंड

मेट्रो पूरी तरह से अंडरग्राउंड होगी। यह महालक्ष्मी स्टेशन के पास से वेस्टर्न रेलवे की लाइन के नीचे से गुजरेगी। माहिम में यह बीकेसी की ओर आने के लिए फिर लोकल ट्रैक के नीचे और फिर मीठी नदी के नीचे से गुजरेगी। एयरपोर्ट के रनवे के नीचे से ही यह आपको अंधेरी की ओर ले जाएगी।

कई प्रॉजेक्ट इंतजार में

मुंबई मेट्रो-3 के अलावा दहिसर-चारकोप-बांद्रा-मानखुर्द तक चलने वाली मुंबई मेट्रो-2 का काम भी पटरी पर आने वाला है। कोस्टल रोड का काम भी अगले 2 साल में करने का लक्ष्य है। इससे दक्षिण मुंबई से वेस्टर्न इलाकों की कनेक्टिविटी काफी सुधर सकेगी।